किशोर के अंगदान से छह को नयी जिंदगी

संवाददाता ▷ पटना

आइजीआइएमएस में मंगलवार की रात 10 बजे ब्रेन डेड घोषित किशोर के अंग अब छह लोगों को नयी जिंदगी देंगे. उसके परिजनों ने उसके मुख्य अंगों को दान कर दिया है. राज्य में अंगदान के इस मामले ने एक बड़ी मिसाल पेश की है. आइजीआइएमएस के न्यूरो सर्जरी विभाग में इलाजरत 17 वर्षीय किशोर रोहित कुमार को

रोहित कुमार का फाइल फोटो.

मंगलवार की रात ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया. बुधवार की सुबह आठ बजे डॉक्टरों ने दोबारा ● बाकी पेज 15 पर

बिहार में पहली बार हुआ लिवर का ट्रांसप्लांट

दान में मिले लिवर का भी ट्रांसप्लांट बुधवार को आइजीआइएमएस में हो गया है. यह राज्य का पहला लिवर ट्रांसप्लांट था. लिवर 47 वर्षीय व्यक्ति को लगाया गया है, जो नोएडा में रहते हैं और बिहार मूल के हैं. ● देखें पेज 04 भी

"इस अंगदान से छह लोगों को नयी जिंदगी मिलेगी. उसके परिजनों के इस फैसले ने मृतक को अमर कर दिया है. इससे समाज के दूसरे लोगों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए. आइजीआइएमएस में पहली बार लिवर का ट्रांसप्लांट किया गया है, जो कि हमारे लिए मील का पत्थर साबित होगा.

डॉ मनीष मंडल, चिकित्सा अधीक्षक, आइजीआइएमएस

बिहार में पहली बार लिवर का किया गया ट्रांसप्लांट

आइजीआइएमएस में डॉक्टरों ने रोहित कुमार को श्रद्धांजलि दी.

प्रभात खबर
पटना, गुरुवार
19.03.2020

संवाददाता ▷ पटना

बिहार में पहली बार लिवर का ट्रांसप्लांट किया गया है. आइजीआइएमएस के डॉक्टरों ने इस जटिल ट्रांसप्लांट को सफलतापूर्वक कर इतिहास रचा है. यहां भर्ती मुजफ्फरपुर के रहने वाले 17 वर्षीय किशोर रोहित कुमार की मृत्यु के बाद उसके परिजनों ने बुधवार की सुबह अंगदान का फैसला लिया. इसमें हृदय, किडनी, कॉर्निया के साथ लिवर का भी दान किया गया. इसके बाद आइजीआइएमएस के डॉक्टरों ने लिवर ट्रांसप्लांट की वेटिंग लिस्ट में मौजूद बी पॉजिटिव ब्लड ग्रुप के चार लोगों को सुबह करीब आठ बजे फोन कर बुलाया. इनमें से एक मरीज जो दिल्ली के मैक्स अस्पताल में इलाजरत था वह आने को तैयार हुआ. बिहार मूल के इस मरीज की उम्र करीब 47 वर्ष है और वह नोएडा में कार्यरत है.

आइजीआइएमएस ने रचा कीर्तिमान

मरीज समय पर पहुंचने के लिए चार्टड प्लेन से दिल्ली से पटना आया. मरीज करीब दो बजे पहुंचा. इसके बाद पहले से ही तैयार डॉक्टरों ने लिवर ट्रांसप्लांट के लिए ऑपरेशन शुरू कर दिया. शाम होने से पहले ही ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक हो गया. इस ट्रांसप्लांट को गैस्ट्रो सर्जरी विभाग के एचओडी व चिकित्सा अधीक्षक डॉ मनीष मंडल के नेतृत्व में डॉक्टरों की टीम ने किया. इसमें गैस्ट्रो सर्जरी के डॉ साकेत कुमार, डॉ राकेश, डॉ संजय, डॉ अमरजीत, एनेस्थिसिया विभाग के डॉ प्रकाश दुबे, डॉ निधि आदि शामिल थे. इसकी जानकारी देते हुए डॉ मनीष मंडल ने कहा कि यह ट्रांसप्लांट राज्य में लिवर ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा. यह राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि है.

hindustantimes.com
times
THURSDAY, MARCH 19, 2020

IGIMS performs first cadaveric multiple organ transplant

Ruchir Kumar
ruchirkumar@hindustantimes.com

PATNA: In embracing death, Rohit Kumar, 17, of Muzaffarpur, gave a new lease of life to at least three others and sight to many more, as the Indira Gandhi Institute of Medical Sciences (IGIMS) performed its first cadaveric kidney and liver transplants here on Wednesday, while creating a green corridor to transport Rohit's heart by a service flight to Medica Hospital, Kolkata.

The distance of 3.5 kms from the IGIMS to the Patna airport was covered in less than three-and-a-half-minutes before the beating heart was handed over to airport officials.

Doctors at Kolkata transplanted Rohit's heart on a 42 year-old local male, while surgeons at the IGIMS simultaneously transplanted his liver and kidney on two other male patients from Bihar. A team of doctors led by Dr Rajesh Dey from Max Hospital, New Delhi, assisted in the liver transplant. Rohit's cornea was taken for grafting on other patients at the IGIMS.

"The patient, undergoing liver transplant was suffering from auto immune hepatitis for the past four years and had undergone deceased donor liver transplant in February 2018, but suffered liver graft rejection in July 2019," said IGIMS medical superintendent Dr Manish Mandal.

> The patient, undergoing liver transplant was suffering from auto immune hepatitis for the past four years and had undergone deceased donor liver transplant in February 2018, but suffered liver graft rejection in July 2019
> DR MANISH MANDAL, IGIMS medical superintendent

"He was under the medical guidance of Dr Subhash Gupta at Max Hospital, Delhi, while also being in touch with us. He was enrolled with the state organ tissue transplant (SOTTO) at the IGIMS and waiting for a deceased donor transplant. As a B-positive patient, his blood group matched with Rohit's and we took him in for liver transplant at the IGIMS," said Dr Mandal.

The liver transplant was underway till the time of going to the press while the kidney and heart transplants were over, said Dr Mandal.

A 47-year-old male was the beneficiary of the kidney transplant.

Rohit had met with an accident on March 13 and was admitted to the department of neurology, IGIMS, two days later. He was declared "brain dead" on Tuesday evening and a re-confirmation done on Wednesday morning, said Dr Mandal.

"A robust team of 50 doctors from our institute were instrumental in extricating the organs and transplanting them, as they worked relentlessly for nearly 36 hours," said IGIMS director Dr NR Biswas.

"We will try that heart transplant is also done at our institute whenever the next cadaveric multiple organ transplant is done at our institute," added Dr Biswas.

The IGIMS, which is also Bihar's state organ tissue transplant committee (SOTTO) had coordinated with the regional organ tissue transplant committee (ROTTO) in Kolkata for the heart transplant there.

Doctors from the IGIMS had on September 23, 2018 extricated the heart and the liver from a brain dead person and facilitated their transfer to Kolkata and New Delhi, respectively, by creating a green corridor.

आज 10 बजे तक मरीज का इंतजार करेगी दूसरी किडनी

आइजीआइएमएस

जासं, पटना : इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (आइजीआइएमएस) में गुरुवार सुबह 10 बजे तक प्रत्यारोपण के लिए रोहित की दूसरी किडनी मरीज का इंतजार करेगी। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि ब्रेन डेड मरीज रोहित की किडनी सुरक्षित रखी गई है। जरूरतमंद मरीज अंग प्रत्यारोपण के लिए 06122297631 पर सुबह 10 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। बी पॉजिटिव मरीज को ही यह किडनी लगाई जा सकती है। इसके बाद प्रत्यारोपण की संभावना कम है।

दरअसल, मुजफ्फरपुर के हथौड़ी निवासी रोहित के ब्रेन डेड के बाद आइजीआइएमएस ने किडनी प्रत्यारोपण के लिए कई निबंधित मरीजों को कॉल किया। इसमें तीन मरीज बुधवार को आइजीआइएमएस पहुंचे। इन तीनों मरीजों का क्रॉस मैच कराया गया। इसमें दो मरीजों का क्रॉस मैच पॉजिटिव आया। इसके बाद केवल फुलवारी के एक ही मरीज को किडनी प्रत्यारोपण के लिए तैयार किया गया जबकि रोहित की दूसरी किडनी ऑर्गेन बैंक में सुरक्षित रख ली गई।

निजी अस्पतालों ने किडनी प्रत्यारोपण में नहीं दिखाई रुचि : आइजीआइएमएस में दो मरीजों का क्रॉस मैच पॉजिटिव होने के बाद चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने राजधानी के पाटलिपुत्रा एवं राजाबाजार स्थित दो बड़े निजी अस्पताल को किडनी देने के लिए संपर्क किया था। चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि दोनों अस्पतालों ने मरीज नहीं होने की बात बताते हुए किडनी लेने से हाथ खड़ा कर दिए।

जरूरतमंद मरीज अंग प्रत्यारोपण के लिए 06122297631 नंबर पर कर सकते हैं संपर्क

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने डॉक्टरों की टीम को दी बधाई

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री मंडल पांडेय ने सफल अंग प्रत्यारोपण के लिए आइजीआइएमएस के डॉक्टरों की टीम को बधाई दी है। पांडेय ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में बिहार ने जो सफलता हासिल की है वह काबिले तारीफ है।

71 किडनी के बाद लिवर प्रत्यारोपण में सफलता

जासं, पटना : आइजीआइएमएस में 71 किडनी के बाद पहली बार लिवर प्रत्यारोपण किया गया। इसको लेकर गैस्ट्रोसर्जरी विभागध्यक्ष सह चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल से लेकर निदेशक डॉ. एनआर विश्वास लगातार जानकारी लेते रहे।

लिवर प्रत्यारोपण में अपोलो दिल्ली के डॉ. सुभाष गुप्ता के निर्देशन में चार सदस्यीय टीम के साथ-साथ डॉ. मनीष मंडल, डॉ. संजय कुमार, डॉ. अमरजीत, एनिस्थिसिया से डॉ. कुणाल व उनकी टीम लगी रही। वहीं किडनी प्रत्यारोपण वाले फुलवारीशरीफ के मरीज को नेफ्रोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रो. डॉ. अमरेश कृष्ण के यूनिट में भर्ती किया गया है।

सात मार्च को कांटी में हुए हादसे में हो गया था जख्मी

मुजफ्फरपुर के हथौड़ी थाना क्षेत्र निवासी रोहित मुजफ्फरपुर के ही कांटी थाना क्षेत्र के सरमसपुर में सड़क दुर्घटना में जख्मी हो गया था। ऑन द स्पॉट 11 लोगों की मौत हो गई थी। तीन गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। गंभीर रूप से जख्मी अजय सहनी व कमलेश सहनी मुजफ्फरपुर में ही निजी अस्पताल में ठीक हो गए। आठ मार्च को आइजीआइएमएस में भर्ती कराया गया। मंगलवार की शाम चिकित्सकों ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

24 सितंबर 2018 को पहली बार लिया गया था अंग

आइजीआइएमएस में 24 सितंबर 2018 को पहली बार ब्रेन डेड मरीज नालंदा के 19 वर्षीय सौरव का अंग लिया गया था। उसकी आंखों से पटना का एक व्यक्ति देख रहा है। उसका भी दिल कोलकाता में धड़क रहा है। लिवर ने दिल्ली में एक व्यक्ति की जान बचाई। उसी समय आइजीआइएमएस में लिवर प्रत्यारोपण की कवायद आरंभ हुई थी, जो बुधवार को सफल हुई। नालंदा जिले के हिलसा गजेंद्र बिगहा निवासी सौरभ प्रतीक छत से गिर गया था। उसके सिर में खून जम गया था। निजी नर्सिंग होम में उसने अंतिम सांस ली।

दैनिक जागरण
पटना, 19 मार्च 2020

ब्रेन डेड रोहित ने पांच को दी नई जिंदगी

नलिनी रंजन ● पटना

मुजफ्फरपुर में बीते सात मार्च को सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद ब्रेन डेड घोषित 17 वर्षीय रोहित पांच लोगों को नई 'जिंदगी' दे गया। अब उसका दिल कोलकाता में 40 वर्षीय युवक के शरीर में धड़केगा तो लिवर रांची और किडनी फुलवारी के व्यक्ति को नया जीवन देगी। उसकी दो आंखें भी दो लोगों को रोशनी देंगी जिन्हें फिलहाल सुरक्षित रखा गया है। पहली बार राज्य में किसी मरीज का लिवर प्रत्यारोपण हुआ है।

बुधवार को इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (आइजीआइएमएस) में रोहित के अंगों के प्रत्यारोपण की प्रक्रिया पूरी की गई। नेशनल ऑर्गन टिश्यू ट्रांसप्लांट यूनिट (नोटो), नई दिल्ली को सूचना देने के बाद अपोलो दिल्ली के डॉ. सुभाष कुमार गुप्ता के निर्देशन में चार सदस्यीय टीम सहयोग को मौजूद रही। संबंधित खबर » पेज 03

17 वर्षीय रोहित मुजफ्फरपुर में सात मार्च को सड़क हादसे में गंभीर रूप से हो गया था जख्मी

47 वर्षीय फुलवारीशरीफ के मरीज में प्रत्यारोपित की गई रोहित की किडनी

मुजफ्फरपुर के हथौड़ी निवासी रोहित की फाइल फोटो। ● सौजन्य स्वजन

प्रेरक

- आइजीआइएमएस में मुजफ्फरपुर के ब्रेन डेड घोषित किशोर से प्रत्यारोपण के लिए निकाले गए पांच अंग
- अस्पताल में हुआ लिवर और किडनी का प्रत्यारोपण, कोलकाता में प्रत्यारोपित होगा हृदय, दो लोगों को मिलेगी रोशनी

"आइजीआइएमएस में ब्रेन डेड मरीज के पांच अंग प्रत्यारोपण के लिए निकाले गए हैं। हृदय कोलकाता भेजा गया है, जबकि लिवर व किडनी का प्रत्यारोपण अस्पताल में ही किया गया। पहली बार राज्य के किसी अस्पताल में लिवर का प्रत्यारोपण हुआ है।

डॉ. मनीष मंडल, चिकित्सा अधीक्षक आइजीआइएमएस

ग्रीन कॉरिडोर बना कोलकाता भेजा गया हृदय

सबसे पहले दो बजे रोहित का हृदय निकालकर कोलकाता भेजा गया। इसके लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया ताकि ससमय अंग अस्पताल से एयरपोर्ट भेजा जा सके। इसके बाद लिवर निकाला गया जिसे दिल्ली से एयर एंबुलेंस से पहुंचे मरीज में प्रत्यारोपित करने की प्रक्रिया देर रात तक जारी रही। मरीज मूल रूप से रांची का है जो पिछले कई दिनों से दिल्ली के अस्पताल में भर्ती था। इसके बाद किडनी निकाल फुलवारीशरीफ के 47 वर्षीय व्यक्ति में प्रत्यारोपित की गई। रोहित की आंखें दो अलग-अलग मरीजों में प्रत्यारोपित की जाएंगी। कॉर्निया को आई बैंक में सुरक्षित रखा गया है। गुरुवार को दो लोगों में इसका प्रत्यारोपण होगा।

पिता ने कहा, मरकर भी रोहित का दिल धड़केगा

संस, हथौड़ी (मुजफ्फरपुर) : ब्रेन डेड घोषित बेटे का अंगदान कर पिता ने कहा कि इस निर्णय से यह संतोष था कि उनके जिगर का टुकड़ा किसी अन्य इंसान में ही सही जीवित तो रहेगा । मेरे बेटे के अंग से किसी दूसरे की जान बच जाएगी तो समझेंगे कि वह जीवित है। कांटी थाना के सरमसपुर में सात मार्च को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल डीहजीवर गांव के रोहित को पटना स्थित आइजीआइएमएस के चिकित्सकों ने सोमवार को ब्रेन डेड (मानसिक रूप से मृत) घोषित कर दिया। इसके बाद पिता व परिवार की सहमति से रोहित की दोनों आंखें, किडनी, लिवर और हृदय का ट्रांसप्लांट पांच जरूरतमंद लोगों को किया गया। 17 वर्षीय बेटे की मौत से आहत पिता रवींद्र कुमार साह ने कहा कि अपने जवान बेटे की मौत का सदमा शायद वे कभी नहीं झेल पाएंगे। आइजीआइएमएस के चिकित्सक ने सोमवार को रोहित को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। तब उसके जीवित बचने की अंतिम संभावना भी खत्म हो गई। चिकित्सकों की सलाह से उन्होंने बेटे का अंगदान करने का निर्णय लिया।

रोहित के पिता रवींद्र कुमार साह।

बता दें कि सात मार्च को कांटी थाना के सरमसपुर में हुई सड़क दुर्घटना में एक दर्जन लोगों की मौत मौके पर ही हो गई थी, जबकि गंभीर रूप से घायल रवींद्र कुमार साह के पुत्र रोहित को पटना स्थित इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया था।

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण
■ पटना ■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ कानपुर ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित
पटना
बृहस्पतिवार • 19 मार्च • 2020
16 पृष्ठ, मूल्य ₹ 4.00
आमंत्रण मूल्य मात्र ₹ 2.50

PARWEZ AHMAD KHAN IGIMS, PATNA 19.3.2020

मुजफ्फरपुर के ब्रेन डेड किशोर ने दी 6 लोगों को नई जिंदगी

पटना (एसएनबी)। एम्स,नई दिल्ली की तर्ज पर स्थापित सूबे के पहले सुपरस्पेशलिटी संस्थान आईजीआईएमएस में पहली बार एक ब्रेन डेड 17 वर्षीय किशोर के अंगदान से चार लोगों को नई जिंदगी मिली और दो लोगों का जीवन 'रोशन' हुआ। राज्य का यह पहला केस है कि ब्रेन डेड मरीज के ऑर्गन डोनेशन से जरूरतमंदों को ऑर्गन लगाकर नई जिंदगी दी गई।

बताया जाता है कि डोनर 17 वर्षीय रोहित कुमार 12 लोगों के साथ एक स्कॉर्पियो से मुजफ्फरपुर स्थित डीह जीवर गांव जा रहा था। इसी दौरान मुजफ्फरपुर में हुई दुर्घटना में 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। रोहित समेत दो अन्य को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया,जिसमें दो की हालत सामान्य है जबकि रोहित को हेड इंज्यूरी होने के कारण दो दिन पहले

आईजीआईएमएस के डॉक्टरों की टीम के प्रयासों से मिली सफलता

रोहित का फाइल फोटो

आईजीआईएमएस में बेहोशी हालात में भर्ती कराया गया। इस बाबत मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि लगातार इलाज के बाद भी कोई असर नहीं होने पर आईजीआईएमएस के न्यूरो सर्जरी विभाग के चिकित्सकों ने मंगलवार की रात करीब दस बजे उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। उसके बाद चिकित्सकों ने रोहित के परिजनों को

राज्य का यह पहला केस

सड़क हादसे में घायल रोहित का दिल कोलकाता के व्यक्ति में धड़का, दिल्ली के मरीज को हुआ लिवर ट्रांसप्लांट

जब अंगदान के लिए आग्रह किया तो वे तैयार हो गए। उसके बाद दूसरी बार ब्रेन डेड कमेटी ने भी बुधवार की सुबह करीब दस बजे पुष्टि कर दी। उसके परिवार की पूरी सहमति के बाद प्रावधान के अनुसार स्टेट ऑर्गन एंड ट्शियू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (शोटो), पटना ने रीजनल ऑर्गन एंड ट्शियू ट्रांसप्लांट (रोटो),कोलकाता को सूचित

> हर्ट को कोलकाता भेजने के लिए पहली बार ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण कर मात्र डेढ़ मिनट में आईजीआईएमएस से एयरपोर्ट पहुंचाया गया।
>
> -डॉ. मनीष मंडल, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट, IGIMS

किया। तत्पश्चात रोटो के निर्देश के बाद मेडिका हॉस्पिटल, कोलकाता की टीम पटना पहुंचकर हार्ट को डेढ़ बजे की फ्लाइट से कोलकाता ले गई। हार्ट को उक्त हॉस्पिटल में भर्ती 42 वर्षीय एक मरीज को ट्रांसप्लांट किया गया। जबकि मैक्स, नई दिल्ली के डॉ. सुभाष गुप्ता के नेतृत्व में चार वर्षों से ऑटो इम्यून हेपेटाइटिस बीमारी में इलाजरत मरीज को लेकर आईजीआईएमएस पहुंचे जहां लिवर ट्रांसप्लांट किया गया। राज्य में पहली बार लिवर ट्रांसप्लांट संपन्न हुआ।

हालांकि उक्त मरीज का आईजीआईएमएस स्थित शोटो और सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरोलॉजी विभाग के तहत भी रजिस्ट्रेशन कराया गया था। दरअसल डोनर व रिसिपिएंट दोनों का ग्रुप बी-पॉजिटिव है। बतौर डॉ. मंडल हर्ट को कोलकाता भेजने के लिए पहली बार ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण कर मात्र डेढ़ मिनट में अस्पताल से एयरपोर्ट पहुंचाया गया।

स्वास्थ्य मंत्री ने टीम को दी बधाई

पटना (एसएनबी)। बुधवार को राज्य में ब्रेनडेड मरीज से लिये गये लिवर को लेकर पहला लिवर ट्रांसप्लांट हुआ। स्वास्थ्य मंत्री सह शासी निकाय अध्यक्ष, आईजीआईएमएस मंगल पांडेय ने इसे राज्य में स्वास्थ्य सेवा को मिली एक बड़ी सफलता बताया है। उन्होंने आईजीआईएमएस के सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी और लिवर ट्रांसप्लांट विभाग द्वारा मेडिकल सुपरिन्टेंडेंट डॉ. मनीष मंडल के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल डॉ. संजय कमार, डॉ. साकेत कुमार, डॉ. आरके सिंह, डॉ. अमरजीत राज, डॉ. कुणाल सिंह, डॉ. निधि, डॉ. राजेश डे और डॉ. विभा वर्मा को बहुत-बहुत बधाई दी है।

हिन्दुस्तान
पटना • गुरुवार • 19 मार्च 2020

आईजीआईएमएस में किया गया सूबे का पहला लिवर प्रत्यारोपण

अच्छी खबर

ब्रेन डेड रोहित के अंगों ने 5 को दिया जीवनदान

पटना | वरीय संवाददाता

मुजफ्फरपुर के ब्रेन डेड मरीज रोहित के देहदान ने पांच लोगों को जीवनदान दिया है। इनमें से चार का अंग प्रत्यारोपण आईजीआईएमएस में और एक का कोलकाता के मेडिका अस्पताल में हुआ। हार्ट (दिल) कोलकाता भेजने के लिए अस्पताल से पटना एयरपोर्ट तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था।

इस तरह आईजीआईएमएस ने नया कीर्तिमान बनाया। अस्पताल में लिवर का पहली बार प्रत्यारोपण हुआ है। चार लोगों में एक को रोहित का लिवर, एक को किडनी और दो को आंख का कॉर्निया मिला है। जबकि कोलकाता के मरीज में रोहित का दिल (हार्ट) लगाया गया है। आईजीआईएमएस के संबंधित विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने पांच से सात घंटे के ऑपरेशन के बाद प्रत्यारोपण में सफलता प्राप्त की है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि पांचों मरीजों की स्थिति क्या है, इसकी जानकारी 48 घंटे के बाद ही मिल पाएगी। ब्रेन डेड मरीज का कौन अंग कितना काम कर रहा है, यह मरीजों के होश में आने के बाद पता चलेगा। जिस मरीज का लिवर प्रत्यारोपण हुआ था, वह पिछले चार वर्षों से प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहा था।

04 आईजीआईएमएस में और एक अंग कोलकाता में एक मरीज में लगा ब्रेन डेड रोहित का

15 मार्च को दुर्घटना में घायल होकर अस्पताल में भर्ती हुआ था रोहित

ग्रीन कॉरिडोर बना भेजा हार्ट

रोहित का हार्ट उसके शरीर से निकलने के ढाई से तीन घंटे के भीतर किसी दूसरे मरीज में प्रत्यारोपित करना था। ग्रीन कॉरिडोर बनाकर आईजीआईएमएस से एयरपोर्ट तक हार्ट को भेजने में मात्र 5 मिनट का वक्त लगा। > ब्योरा पेज 08

आठ डॉक्टरों की टीम ने लिवर का सफल ट्रांसप्लांट किया, बंगाल तक दिखा समन्वय

ग्रीन कॉरिडोर बना ब्रेन डेड का दिल कोलकाता भेजा

मृतक रोहित। (फाइल फोटो)

आईजीआईएमएस

पटना | वरीय संवाददाता

आईजीआईएमएस में पहली बार लिवर प्रत्यारोपण हुआ। अस्पताल अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि यह राज्य का पहला लिवर प्रत्यारोपण है। इसे आठ डॉक्टरों की टीम ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

दिल्ली के मैक्स अस्पताल में इलाज करा रहे डॉ. निमेश चंद्रा के परिवार को आईजीआईएमएस अधीक्षक ने सुबह आठ बजे फोन किया। डॉ. निमेश दिन के 1 बजे तक पटना पहुंच गए। ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से वे सीधे आईजीआईएमएस पहुंचे। लगातार आंठ घंटे तक चले ऑपरेशन में डॉक्टरों ने निमेश में रोहित का लिवर लगाया। निमेश का दूसरी बार लिवर प्रत्यारोपण हुआ है। इसके पहले प्रत्यारोपण पूरी तरह से सफल नहीं हुआ था।

किडनी ट्रांसप्लांट के लिए नहीं मिला दूसरा मरीज : रोहित की निकाली गई दोनों किडनी में से एक का ही प्रत्यारोपण हो सका। देर शाम तक दूसरा मरीज नहीं मिलने से किडनी को सुरक्षित रखा गया है। डॉक्टरों की मानें तो एक बार निकाली गई किडनी 24 घंटे तक ही सुरक्षित रह सकती है। आईजीआईएमएस में किडनी प्रत्यारोपण के लिए सूचीबद्ध लोगों में सिर्फ एक ही व्यक्ति पहुंच सका। अस्पताल प्रशासन दूसरा किडनी प्रत्यारोपण के लिए दूसरे अस्पतालों में मरीज ढूंढ़ने का प्रयास देर रात तक कर रहा था। डॉक्टरों ने आशंका जताई कि अगर कोई मरीज नहीं मिला तो एक किडनी बेकार हो जाएगी।

लिवर और किडनी प्रत्यारोपण के लिए माता वैष्णो देवी संस्था, पटना के सदस्यों ने रक्तदान किया। इसके लिए कुल 40 यूनिट खून की जरूरत बताई गई थी। शाम तक 20 लोगों की स्क्रीनिंग अस्पताल प्रशासन द्वारा की जा चुकी थी। सभी 20 लोगों से एक-एक कर खून लिया जा रहा था। खून देने वालों में कन्हैया अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, प्रतीक, मुकेश हिसारिया, पिंटू कुमार, लोकेश राज आदि शामिल थे।

पांच की जिंदगी बचाने को देहदान की दी सहमति

पटना। आईजीआईएमएस में जब रोहित को ब्रेन डेड घोषित किया गया तो परिवार के सामने दुखों का पहाड़ टूट गया। डॉक्टरों ने 16 मार्च की देर रात को ही बचने की उम्मीद नहीं होने की बात कही थी। 17 मार्च की रात को ब्रेन डेड होने की घोषणा कर दी। हालांकि रोहित के पिता रवींद्र प्रसाद और माता प्रेमा देवी ने पांच लोगों की जिंदगी बचाने के लिए अपने बेटे के शरीर को दान करने की इच्छा जताई। अस्पताल प्रशासन ने भी तत्काल औपचारिता पूरी कर ली।

विमान में ऑर्गन लेकर जाते विशेषज्ञ।

बाइक दुर्घटना में 13 मार्च को घायल हो गया था

रोहित मुजफ्फरपुर के औराई प्रखंड के बिहजीवार का निवासी था। 13 मार्च को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुआ था। 15 मार्च को उसे आईजीआईएमएस में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने मंगलवार की देर रात उसके ब्रेन डेड होने की घोषणा की। इसके बाद परिजनों ने अंग को दान करने की सहमति दे दी। तब तत्काल रोटो के कोलकाता स्थित कार्यालय में सूचना दी गई। वहां से एक हार्ट मरीज की सूची मिली जो मेडिका अस्पताल में भर्ती था।

आईजीआईएमएस से एयरपोर्ट की दूरी मात्र पांच मिनट में तय की

रोहित का हार्ट शरीर से निकलने के ढाई से तीन घंटे के भीतर किसी दूसरे मरीज में प्रत्यारोपित करना था। इसके लिए हार्ट निकलने के बाद आईजीआईएमएस से एयरपोर्ट के बीच ग्रीन कॉरिडोर बनाकर इंडिगो की फ्लाइट से कोलकाता भेजा गया। दोपहर 1 बजकर 15 मिनट से 1 बजकर 45 मिनट के बीच आईजीआईएमएस से बेली रोड होते हुए एयरपोर्ट तक के एक लेन को ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था। कोलकाता से आई डॉक्टरों की टीम ने आईजीआईएमएस से एयरपोर्ट की दूरी मात्र पांच मिनट में तय की। आईजीआईएमएस ने प्रशासन से 2018 में भी ग्रीन कॉरिडोर के लिए आग्रह किया था।

सोटो और रोटो से सहमति के बाद शुरू हुआ ऑपरेशन

मरीजों के अंग प्रत्यारोपण के लिए स्टेट ऑर्गन टिश्यू ट्रांसप्लांटेशन ऑर्गनाइजेशन (सोटो) और क्षेत्रीय अंग प्रत्यारोपण संगठन (रोटो) से मंजूरी ली गई। अधीक्षक ने बताया कि जिन लोगों ने अंग प्रत्यारोपण के लिए पहले से रजिस्ट्रेशन कराया था, उनको बुधवार दिन के 10 बजे सूचना दी गई। इसके बाद दिन के दो बजे से ऑपरेशन शुरू किया गया।

लिवर ट्रांसप्लांट में ये डॉक्टर रहे शामिल

आईजीआईएमएस सर्जिकल गैस्ट्रो विभाग के डॉक्टरों की टीम ने पहली बार लिवर का ट्रांसप्लांट करने में सफलता प्राप्त की है। इस टीम में डॉ. मनीष मंडल के अलावा डॉ. संजय कुमार, डॉ. साकेत कुमार, डॉ. आरके सिंह, डॉ. अमरजीत राज, डॉ. कुणाल सिंह के अलावा एनेस्थिसिया की डॉ. निधि, डॉ. राजेश डे के साथ मैक्स नई दिल्ली की डॉ. विभा वर्मा शामिल थे।

बिहार में स्वास्थ्य सेवा को मिली एक बड़ी सफलता

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि बिहार में स्वास्थ्य सेवा को एक बड़ी सफलता मिली है। बुधवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान के सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी एवं लीवर ट्रांसप्लांट विभाग के डॉक्टरों की टीम इसमें शामिल थी। ब्रेनडेड व्यक्ति से लिये गए लीवर को ट्रांसप्लांट किया गया। उन्होंने टीम को बधाई दी।

PARWEZ AHMAD KHAN IGIMS, PATNA 19.3.2020

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार
दैनिक भास्कर
बिहार
पटना, गुरुवार 19 मार्च, 2020 | चैत्र, कृष्ण पक्ष, 10, 2076 | 12 राज्य | 65 संस्करण

PARWEZ AHMAD KHAN IGIMS, PATNA 19.3.2020

आईजीआईएमएस को बड़ी कामयाबी • 8 मार्च से भर्ती था मुजफ्फरपुर का युवक, 17 को हुआ था ब्रेन डेड

17 साल के रोहित के अंगदान से बिहार में पहली बार लिवर ट्रांसप्लांट, 4 को नई जिंदगी, 2 उसकी आंखों से देखेंगे दुनिया

आईजीआईएमएस में पहली बार ब्रेन डेड मरीज के लिवर से 47 वर्षीय लिवर फेल्योर से पीड़ित मरीज का लिवर ट्रांसप्लांट किया गया। यह सफल रहा। एक मरीज का किडनी ट्रांसप्लांट भी किया गया। एक किडनी और दो कॉर्निया बैंक में रख दिया गया है। कोशिश हो रही है गुरुवार सुबह तक किडनी ट्रांसप्लांट हो जाए। कॉर्निया ट्रांसप्लांट भी गुरुवार को ही किया जाएगा।

बाय इन्विटेशन

डॉ. मनीष मंडल
(अधीक्षक, आईजीआईएमएस)

प्राइवेट में 20 लाख, यहां 10 लाख रुपए ही होंगे खर्च

प्राइवेट में लिवर ट्रांसप्लांट का खर्च करीब 20 लाख रुपए है, जबकि आईजीआईएमएस में यह खर्च 10 लाख अनुमानित है। राज्य सरकार से भी पांच लाख अनुदान का आश्वासन मिला है। वैसे लिवर फेल्योर मरीजों की संख्या राज्य में कम नहीं है। हर महीने सात से आठ मरीज आते हैं। वैसे भी, गाइडलाइन के मुताबिक लिवर ट्रांसप्लांट की शुरुआत ब्रेन डेड मरीज के लिवर से की जाती है। इससे आईजीआईएमएस की प्रतीक्षा भी खत्म हुई।

मुजफ्फरपुर के ब्रेन डेड मरीज रोहित कुमार के ये अंग उसके परिजन और स्टेट आर्गन टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन (सोटो) से अनुमति लेकर ही निकाले गए। रोहित के अंगदान से छह लोगों को नई जिंदगी मिल रही है। रोहित सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था और आईजीआईएमएस में ही भर्ती था। 17 मार्च को यह पता चल गया था कि यह केस ब्रेन डेड का हो गया है। 17 मार्च को रोहित के परिजनों ने लिखित अनुमति दी। ब्रेन डेड कमिटी ने दूसरी बार 18 मार्च को सुबह 8.30 बजे जांच कर ब्रेन डेड सर्टिफिकेशन कर दिया। चूंकि, रोहित के परिजनों ने अंगदान की सहमति दी थी, इसलिए वार लेवल पर मरीज की तलाश शुरू हुई। चिह्नित मरीज का ब्लड ग्रुप बी पॉजिटिव है या नहीं, यह देखा गया। -शेष पेज 13

एक डोनर...

08 लोगों का जीवन बचा सकता है।

75 के जीवन बचाने में सहयोग दे सकता है

फिर भी बिहार में अबतक सिर्फ दो ही अंगदान क्यों?

पढ़ते रहिए दैनिक भास्कर

बंगाली में बिहारी दिल : ग्रीन कॉरिडोर बनाकर कोलकाता भेजा हार्ट, मेडिका में हुआ ट्रांसप्लांट

अजय कुमार सिंह | पटना

पश्चिम बंगाल के वयस्क में धड़केगा बिहार के किशोर का दिल। 07 मार्च को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से 17 वर्षीय रोहित घायल हो गया था। ब्रेन हेमरेज भी हो गया था। वह 08 मार्च से आईजीआईएमएस के न्यूरो सर्जरी विभाग में भर्ती था। आईजीआईएमएस में हार्ट को छोड़कर बाकी अंग का इस्तेमाल किया गया। हार्ट को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर कोलकाता के मेडिका सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल को इंडिगो के विमान 708 से दोपहर 1.35 बजे

रोहित कुमार

भेज दिया गया। आईजीआईएमएस से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर साढ़े तीन मिनट में पटना एयरपोर्ट पहुंचा दिया गया। इसके लिए आधे घंटे तक इस रूट में ट्रैफिक को पूरी तरह रोक दिया गया था। हार्ट लेने के लिए मेडिका की डॉ. कुणाल सरकार की टीम आई थी।

इसके पहले भी आईजीआईएमएस से ब्रेन डेड एक किशोर का हार्ट कोलकाता आरएन टैगोर अस्पताल को ट्रांसप्लांट के लिए भेजा गया था, जहां हॉर्ट ट्रांसप्लांट सफल हुआ था। इससे पहले सितंबर 2018 में नालंदा के 14 साल के ब्रेन डेड सौरभ प्रतीक के अंगदान से कोलकाता के मरीज का हार्ट और पटना के मरीज का कॉर्निया ट्रांसप्लांट हुआ था। आईजीआईएमस के कार्डियोथोरेसिक सर्जन डॉ. शील अवनीश के मुताबिक कोलकाता के मेडिका हॉस्पिटल में पहले से हॉर्ट फेल्योर के एक मरीज को तैयार रखा गया था।